विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी की है कि अगले 40 सालों सबकी प्रिय चॉकलेट गायब हो जाएगी क्योंकि कोको के पौधे गर्म जलवायु में जीवित रहने के लिये जूझ रहे हैं। ये पौधे सिर्फ 20 डिग्री तापमान में ही जीवित रह सकते हैं तथा भूमध्य रेखा के उत्तर व दक्षिण में ये खूब फलते-फूलते हैं क्योंकि यहां नमी व वर्षा काफी ज्यादा है। पर आगामी 30 वर्षों में यहाँ ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण तापमान में 2.1 डिग्री सैंटिग्रेड की वृद्धि हो जाएगी जिससे इनका अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा और इसका असर पूरी दुनिया में चॉकलेट उद्योग पर पड़ सकता है। यू.एस. नैशनल ओशैनिक एण्ड एटमॉस्फैरिक एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया है कि, तापमान बढ़ने से जमीन और पौधों का पानी सूख जाएगा और ग्लोबल वार्मिंग की वजह से पर्याप्त वर्षा नहीं हो पाने का भी खतरा है, इसलिए कोको के उत्पादन में कमी आने की पूरी संभावना है। तब ब्राज़ील व घाना जैसे देशों, जहां कोको का उत्पादन सबसे ज्यादा होता है, के समक्ष दुविधा यह होगी कि वे विश्व भर में कोको की आपूर्ति करें या कोको का अस्तित्व बचाएं।

जयपुर के स्कूलों में बच्चों के करोना संक्रमित मिलने का क्रम जारी

राजधानी में लगातार तीसरे दिन 6 बच्चे संक्रमित मिले हैं, इनमें झालाना के सरकारी स्कूल, जयश्री पेड़ीवाल इंटरनैशनल और दो अन्य निजी स्कूलों के 2-2 बच्चे शामिल हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 25 नवम्बर। राजधानी जयपुर में स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के करोना संक्रमित मिलने का क्रम जारी है। इसके चलते शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन भी 6 स्कूली बच्चे संक्रमित मिले हैं। वहीं दूसरी ओर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में संक्रमण के 29 नए मामले सामने आए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 17 रोगी जयपुर जिले में पाए गए हैं।

प्रदेश में जयपुर एक बार फिर करोना संक्रमण का हॉट स्पॉट बनता जा रहा है। इसके चलते यहां हर रोज नए संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है। नवंबर में ही अब तक प्रदेश में 225 से ज्यादा नए मामले सामने आ चुके हैं। जिले में शुक्रवार को संक्रमण के 17 नए मामले सामने आए हैं। इनमें सरकारी और निजी स्कूलों के 6 बच्चे संक्रमित मिले हैं।

- **गुरूवार को जयपुर में सबसे ज्यादा 17, जबकि प्रदेशभर में 29 नए संक्रमित पाए गए हैं।**
- **राज्य में नए संक्रमित बढ़ने और रिकवरी कम होने से एक्टिव केस 155 हो गए हैं।**

जयपुर सीएमएचओ डॉ. नरोत्तम शर्मा ने बताया कि शहर के झालाना इलाके में कच्ची बस्ती स्थित एक सरकारी स्कूल, जयश्री पेड़ीवाल इंटरनेशनल स्कूल तथा दो अन्य निजी स्कूलों के ऑनलाइन पढ़ने वाले 2-2 बच्चे संक्रमित मिले हैं। जयश्री पेड़ीवाल इंटरनेशनल स्कूल में संक्रमित मिली बच्ची के परिजन पहले ही संक्रमित हो चुके हैं। बच्चों के संक्रमित पाए जाने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमें उनके संपर्क में आने वाले लोगों की सैम्पलिंग कर रही है। उन्होंने बताया कि झालाना के सरकारी स्कूल में 2 बच्चों के संक्रमित मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 237 लोगों के सैम्पल लिए हैं। वहीं निजी स्कूलों के बच्चों के नजदीकी संपर्क में आने वाले लोगों के भी सैम्पल लिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया संक्रमित मिले सभी बच्चे एसिम्टोमैटिक है।

इधर स्कूलों में लगातार बच्चों के संक्रमित मिलने के बाद भी राज्य सरकार और शिक्षा विभाग ऑनलाइन क्लासेज चलाने का फैसला नहीं कर पाया है। वहीं सौ प्रतिशत क्षमता के साथ चल रहे स्कूलों में कोविड गाइडलाइन को लेकर लापरवाही बरती जा रही है। जहां मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग और सैनेटाइजर को नजर अंदाज किया जा रहा है।

उधर दूसरी ओर राजधानी में 12 स्थानों पर नए संक्रमित मिले है। इनमें मालवीय नगर, सी-स्कीम, महेश नगर, भांकरोटा और झालाना में 2-2 तथा बनीपार्क, सिविल लाइंस, दुर्गापुरा, जमवारामगढ़, मानसरोवर, फागी और राजापार्क में 1-1 संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में और वृद्धि के बाद करोना के 29 नए रोगी पाए गए हैं। इनमें अजमेर व बीकानेर में 3-3, बाड़मेर, दौसा व नागौर में 2-2 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं जयपुर में 12, नागौर में 2 व करौली में 1 मरीज रिकवर हुआ है। उधर राज्य के 27 जिलों में संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। इनमें से 21 जिलों में अब न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस बचा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राज्य में गुरूवार को 15 मरीज ठीक हुए हैं। पिछले चौबीस घंटों में रिकवर हुए मरीजों से करीब दोगुना नए संक्रमित मिलने से एक्टिव केस बढ़कर 155 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 92 मामले जयपुर और अजमेर में 20 तथा अलवर में 12 केस मौजूद हैं। वहीं 9 जिले बारां, बाड़मेर, बीकानेर, दौसा, जैसलमेर, जोधपुर नागौर, पाली और उदयपुर में 10 से भी कम केस बचे हैं। प्रदेश में गुरूवार को भी करोना से कोई मौत नहीं हुई है। हालाकि अब तक इस बीमारी से 8955 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

सोनिया गांधी ने ममता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को अपनी पार्टी में लेकर, ममता ने विपक्ष को बाँटने का काम करने की गलत कोशिश की है, लेकिन राहुल ने वहाँ एकत्रित नेताओं से कहा कि वे ममता की इन कोशिशें को मामूली हरकत मानते हुये, इनकी अनदेखी करें। राहुल ने नेताओं से कहा कि कुछ नेताओं के तृणमूल में चले जाने से कैसे निपटना है यह सोनिया गांधी पर छोड दें।

रणनीतिक मीटिंग में भाग लेने वालों में ए.के. एंटनी, मल्लिकार्जुन खड़गे, आनंद शर्मा, अधीर रंजन चौधरी, के.सी. वेणुगोपाल, जयराम रमेश, के. सुरेश और रवनीत बिट्टू शामिल थे। मीटिंग से बाहर आए नेताओं ने बताया कि टी.एम.सी. विपक्ष्ज्ञ के भीतर ही धौंस जमा सकती है, लेकिन ज्वलंत मुद्दों को लेकर सरकार पर विपक्ष के हमले को तीष्ण करने में और अन्नत: टी.एम.सी. सांसदों की ममता बिग्रेड को इस हमले में शामिल होने के लिए बाध्य करने में कांग्रेस के एक प्रमुख विपक्षी पार्टी की भूमिका त्यागने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता खड़गे ने मीटिंग के बाद पत्रकारों को बताया कि नेताओं ने मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा करने के लिए 15-16 मुद्दों का चयन किया है। इनमें प्रमुख हैं- कृषि कानून, मंहगाई और कोविड-19 से मरे लोगों के परिवारों को केन्द्र सरकार द्वारा उचित मुआवजा दिया जाना।

जब उनसे इस बारे में पूछा गया कि ममता अधिक आक्रामक हो रहीं हैं तो उन्होंने कहा कि "जो लोग हमेशा हमारे साथ रहे हैं, हम उनसे मिलकर भाजपा के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे। क्या संसद के पूर्व सत्रों में ममता जी की टी.एम.सी. हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर नहीं खड़ी रही? कांग्रेस संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में कोविड-19 कुप्रबंधन, करोना क्षतिपूर्ति, महंगाई और किसान आंदोलन के मुद्दों को मजबूती से उठाने की योजना बना रही है।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि मीटिंग में सोनिया ने पार्टी संगठन सचिव वेणुगोपाल को निर्देश दिए कि वे कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से कहें कि वे कोविड-19 पीड़ितों को अधिक क्षतिपूर्ति दिए जाने के लिए केन्द्र सरकार को लिखें।

आगामी 23 दिसम्बर तक चलने वाले संसद सत्र के दौरान दिल्ली में एक विशाल विरोध रैली आयोजित करने की संभावनाओं पर भी कांग्रेस नेताओं ने चर्चा की।

अब प्लेटफॉर्म टिकट फिर से 10 रु. का होगा

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। भारतीय रेलवे के यात्रियों की सुविधा के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। रेलवे ने प्लेटफॉर्म टिकट के बढ़े हुए दाम वापस लेने का फैसला किया है। अब प्लेटफॉर्म टिकट पहले की तरह ही 10 रुपये का मिलेगा। भारतीय रेलवे ने करोना महामारी के समय में प्लेटफॉर्म टिकट की बढ़ी हुई कीमतों को वापस ले लिया है। पहले महामारी के दौरान रेलवे स्टेशनों पर भीड़ को कम करने के उद्देश्य से कीमतों में वृद्धि की गई थी।

- **कोविड बढ़ने पर रेलवे प्लेटफॉर्म्स पर भीड़ को नियंत्रित करने के मकसद से सरकार ने प्लेटफार्म टिकट के दाम 5 गुना बढ़ाकर 50 रु. कर दिया था।**

गौरतलब है कि, पिछले सप्ताह ही रेलवे मंत्रालय ने सभी रेल सेवाओं को कोविड से पहले की तरह ही सामान्य रूप से संचालन की घोषणा की थी।

मतदाताओं के बीच जाकर भाजपा के खिलाफ प्रचार करेंगे राकेश टिकैत

राकेश टिकैत ने कहा कि, बेहतर होगा कि प्रधानमंत्री मोदी चुनावी आचार संहिता लागू होने से पहले किसानों के मुद्दे को सुलझा लें

लखनऊ, 25 नवम्बर। भारतीय किसान यूनियन (बी.के.यू.) के नेता राकेश टिकैत ने गुरुवार को कहा कि फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) हमेशा से हमारा मुद्दा रहा है। टिकैत एक साल से अधिक समय से दिल्ली के गाजीपुर सीमा पर चल रहे किसान आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। गुरुवार को हैदराबाद पहुंचे राकेश टिकैत ने कहा कि एम.एस.पी. से किसानों को मदद मिलेगी। इसके साथ-साथ टिकैत ने कहा कि वो भाजपा को हराओ के नारे के साथ यू.पी. के मतदाताओं के पास भी जाएंगे।

उन्होंने आगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करते हुए कहा कि एम.एस.पी. हमेशा संयुक्त किसान मोर्चा का मुद्दा था। संयुक्त किसान मोर्चे में लगभग 40 किसान संगठन संघ शामिल हैं। राकेश टिकैत ने कहा केंद्र के साथ 11 दौर की चर्चा में हर बार हमने एम.एस.पी. पर चर्चा की। हम इससे पीछे नहीं हट रहे हैं। सरकार को स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करना चाहिए और बातचीत शुरू करनी चाहिए।

- **उन्होंने आगे कहा कि, एम.एस.पी. हमेशा से संयुक्त किसान मोर्चा का मुद्दा था और रहेगा। केंद्र के साथ 11बार हुई बातचीत में हर बार हमने एम.एस.पी. पर चर्चा की। हम इससे पीछे नहीं हट रहे हैं। सरकार को स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करना चाहिए और बातचीत शुरू करनी चाहिए।**
- **इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन कृषि कानून को वापस लेने का ऐलान किया। इन कानून को वापस लेने के लिए केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को एक विधेयक को मंजूरी भी दे दी है और शीतकालीन सत्र के दौरान इसे संसद में पेश किया जाएगा**

टिकैत ने आगे कहा कि हम भाजपा हराओ नारे के साथ यू.पी. के मतदाताओं के पास जाएंगे। बेहतर होगा कि भारत सरकार और पी.एम. मोदी आदर्श आचार संहिता (एम.सी.सी.) लागू होने से पहले इस मुद्दे को सुलझा लें।

टिकैत ने यह भी कहा कि बी.के.यू. समर्थकों को दिल्ली सीमा पर धरना स्थल को खाली करने की अभी कोई योजना नहीं है। टिकैत ने यह भी कहा कि संयुक्त किसान मोर्चे की रणनीति भाजपा को पराजित करना है। हम यह सुनिश्चित करेंगे उनको गांवों में बायकॉट का सामना करना पड़े और चुनाव प्रचार नहीं कर पाए। पश्चिम यू.पी. में यह पहले से ही शुरू हो चुका है।

इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन कृषि कानून को वापस लेने का ऐलान किया। इन कानून को वापस लेने के लिए केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को एक विधेयक को मंजूरी भी दे दी है और शीतकालीन सत्र के दौरान इसे संसद में पेश किया जाएगा।

राजे की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विस्तार से चर्चा की जायेगी कि मोदी सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं को प्रदेश के गांव, ढाणी और घरों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में प्रदेश की कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ बड़े आंदोलन होंगे, जिसकी शुरूआत मंडल स्तर से हो चुकी है। राजस्थान के हम सभी कार्यकर्ताओं की इच्छा थी कि अमित शाह का हमें मार्गदर्शन मिले। हर महीने केंद्रीय वरिष्ठ नेता या केन्द्रीय मंत्री का दौरा कराने की योजना में अमित शाह से पहले प्रदेश का राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का दौरा भी प्रस्तावित था। नवंबर में यह दौरा होना था, लेकिन अभी जेपी नड्डा का कार्यक्रम अंतिम तौर पर तय नहीं हुआ है।

भारत वैक्सीन खरीदने के लिए दो अरब डॉलर का ऋण लेगा

मनीला, 25 नवंबर (वार्ता)। एशियन डवलपमैंट बैंक (ए.डी.बी.) करोना वायरस से बचाव के लिए टीकाकरण के वास्ते भारत को 1.5 अरब डॉलर का ऋण मंजूर किया है।

ए.डी.बी. ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि इसके लिए एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इंवेस्टमेंट बैंक से भी 50 करोड़ डॉलर का ऋण मिलने का अनुमान है। बयान में कहा गया है कि इस ऋण से भारत को कम से कम 66.7 करोड़ टीके के डोज खरीदने में मदद मिलेगी। इससे 31.7 करोड़ लोगों को टीके लगाये जा सकेंगे। इससे भारत के राष्ट्रीय टीकाकरण प्लान को मदद की जायेगी जिसका उद्देश्य 18 वर्ष आयु से अधिक के 94.47 करोड़ लोगों को टीका लगाना है। यह भारत की कुल आबादी का 68.9 प्रतिशत है। ए.डी.बी. के अध्यक्ष मासात्सुगु असाकावा ने कहा कि भारत को अपने नागरिकों को वैक्सीन लगवाने में इस लोन का उपयोग करेगा।

पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह मुंबई क्राइम ब्रांच के समक्ष प्रस्तुत हुये

क्राइम ब्रांच की टीम ने परमबीर सिंह से 7 घंटे पूछताछ की

मुंबई, 25 नवम्बर। मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह गुरुवार को मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच के सामने पेश हुए। इस दौरान उनसे सात घंटे तक पूछताछ हुई। क्राइम ब्रांच उनके खिलाफ जबरन वसूली के मामले की जांच कर रही है। परमबीर के वकील का कहना है कि उन्होंने क्राइम ब्रांच के सामने बयान दर्ज कराया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, वह जांच में सहयोग करना जारी रखेंगे।

राज्य सरकार के सूत्र ने बताया कि मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह छुट्टी पर थे और उन्होंने राज्य सरकार को अपने राज्य में लौटने की सूचना नहीं दी थी। राज्य सरकार उसके खिलाफ कार्रवाई करने पर विचार कर रही है। मुंबई पुलिस ने कहा कि परमबीर सिंह ने अपराध शाखा इकाई 11 कार्यालय कांदिवली में बिमल अग्रवाल द्वारा दर्ज रंगदारी मामले में अपना बयान दर्ज कराया। उनसे इस मामले में ही सवाल पूछे गए थे। उन्हें अभी दोबारा नहीं बुलाया गया है, लेकिन कहा गया है कि जब भी जरूरत होगी उन्हें बुलाया जाएगा।

- **सूत्रों के अनुसार पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह छुट्टी पर थे और उन्होंने राज्य सरकार को महाराष्ट्र वापस लौटने की सूचना नहीं दी थी। राज्य सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करने पर विचार कर रही है।**

वहीं, महाराष्ट्र के डिप्टी सी.एम. अजीत पवार ने आज कैबिनेट बैठक के बाद अमरावती हिंसा और परमबीर सिंह के मुद्दे को लेकर बैठक बुलाई। बैठक में राज्य के गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल और गृह विभाग के अन्य आला अधिकारी मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट के दबाव के बाद मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने बुधवार को खुलासा किया था कि वह चंडीगढ़ में हैं और जल्द ही मुंबई जाएंगे। उन्होंने कहा था कि मेरी जान को खतरा है इसलिए मैं यहां हूं। वहीं पुलिस व कोर्ट के सामने आत्मसमर्पण के सवाल पर उन्होंने कहा था कि मैंने अभी अपने अगले कदम के बारे में निर्णय नहीं लिया है। आई.पी.एस. अधिकारी परम बीर सिंह बुधवार शाम को टेलीग्राम में दिखे थे। हालांकि बाद में उन्होंने सोशल मैसेजिंग एप से अपना अकाउंट डिलीट कर दिया। मुंबई पुलिस आयुक्त के पद से स्थानांतरण और महाराष्ट्र के तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद सिंह ने इस साल मई से काम करने की सूचना नहीं दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने परमबीर सिंह से जांच में सहयोग करने को कहा था। कोर्ट ने फिलहाल परमबीर सिंह की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी और उनसे पूरे मामले की जांच के दौरान सहयोग बरतने का निर्देश दिया था। कोर्ट में उनके वकील ने कहा कि परमबीर सिंह को पूरे मामले में फंसाया जा रहा है।

त्रिपुरा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गैंग घर-घर जाकर लोगों को डरा रही और घर से बाहर नहीं निकलने को कह रही है। मतदान 770 बूथों पर हो रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने त्रिपुरा के गृह सचिव, राज्य चुनाव आयोग, और राज्य पुलिस प्रमुख से कहा है कि हरेक बूथ पर पर्याप्त मात्रा में सी.ए.पी.एफ. के जवान तैनात किए जाए और कहा कि किसी भी आपात स्थिति में मतदान कर्मी उनकी मदद ले सकते हैं। तृणमूल के एक पार्षद ने कहा था कि मतदान केन्द्रों पर सी.सी.टी.वी. नहीं है। इस पर कोर्ट ने कहा कि यह जरुरी है कि प्रिंट मीडिया व इलैक्ट्रॉनिक मीडिया को निर्बाध प्रवेश दिया जाए ताकि वे चुनाव का पूर्ण कवरेज कर सकें।

सत्तारूढ़ भाजपा, जो तृणमूल के साथ कांटे की टक्कर में है, 334 में से 112 सीटें निर्विरोध जीत चुकी है। पूर्वोत्तर राज्यों में त्रिपुरा में तृणमूल के कदम जमते हुए से लग रहे हैं। यह राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के मुकाबले एक ताकत के रुप में उभरने की कोशिश में है।

'शहीद हुए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसान शुक्रवार को दिल्ली की सीमाओं पर पहुँचेंगे तथा इन सीमाओं पर अपनी ताकत के सफल शान्तिपूर्ण प्रदर्शन के जरिये सरकार को बाध्य करेंगे कि वह इन कृषि कानूनों को बिना किसी शर्त के रद्द करने के लिये सहमत हो जाये।

एक संयुक्त बयान में मोर्चा के नेताओं ने कहा कि इस आंदोलन के दौरान पिछले एक वर्ष में 683 किसान शहीद हो गये तथा केन्द्र को उदारता दिखाते हुये, उनके परिवारों को हर्जाना देने के साथ ही उन्हें पुनर्वास उपलब्ध करानी चाहिये। बयान में कहा गया है कि इसके अलावा सरकार को दिल्ली की किसी सीमा पर उनका स्मारक बनाने के लिये जमीन आवंटित करनी चाहिये ताकि वह स्मारक उन शहीद किसानों की कुर्बानी की याद दिलाता रहे।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि रविवार को मुम्बई के आज़ाद मैदान पर विशाल किसान-मज़दूर महापंचायत आयोजित होगी, जिसमें 100 से अधिक संगठन भाग लेंगे। बयान में कहा गया है कि एस.के.एम. 27 नवम्बर को सिंधु सीमा पर अपनी मीटिंग करेगा, जिसमें आगे की कार्यवाही की रुपरेखा तय की जायेगी। यह संयुक्त बयान बलवीर सिंह राजेवाल, डॉ. दर्शन सिंह, गौतम सिंह चरुनी, हन्नान मुल्ला, जगजीत सिंह डालीवाल, जोगिन्दर सिंह उग्राहन, शिव कुमार शर्मा "काकाजी" यदुवीर सिंह तथा योगेन्द्र यादव के नाम से जारी किया गया है।

मेघालय में एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेता के रुप में उभरने के उद्देश्य को अपने सामने रखकर, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बड़ी तेजी से इस दिशा में बढ़ रहीं हैं कि पार्टी के साइन बोर्ड बंगाल के बाहर, अन्य राज्यों में भी लग जायें। पिछले दो दशकों से क्षेत्रीय दल के नेता के रुप में काम करने तथा सुस्थापित होने के बाद, बनर्जी ने अब तृणमूल कांग्रेस के पदचिन्ह पूरे भारत में पहुँचा देने का अपना एकमात्र ध्येय, इकलौता मिशन बना लिया है। दिल्ली विधानसभा चुनावों में जीत की पहली लहर के जोश में आप नेता अरविन्द केजरीवाल ने भी इसी तरह से अपने उम्मीदवार विभिन्न राज्यों, पंजाब और गुजरात शामिल हैं, में खड़े किये थे तथा उन्होंने स्वयं भी मोदी के खिलाफ वाराणसी से चुनाव लड़ा था। वे तो अपने प्रयासों में असफल रहे, लेकिन अब देखना यह है कि उसी प्रकार की नियति बनर्जी की प्रतीक्षा कर रही है अथवा नहीं।

मेघालय की इस घटना को लेकर, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने आक्रोशपूर्ण प्रतिक्रिया देते हुये, ममता पर आरोप लगाया है कि वे पूर्वोत्तर में कांग्रेस को कमजोर करने की साजिश में लगी हुई हैं। चौधरी ने अप्रत्यक्ष रुप से कहा कि बनर्जी भाजपा के इशारे पर कांग्रेस को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं, क्योंकि उन्हें अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ जाँच शुरु हो जाने का डर है। चौधरी द्वारा किया गया इस स्थिति का यह विश्लेषण ऐसे मामलों का जरुरत से ज्यादा सामान्यीकरण जैसा है। दरअसल, कांग्रेस नेतृत्व पार्टी की वर्तमान तथा संवेदनशील खामियों को दूर करने में असमर्थ रहा है।

'बंटवारा खून की नदियां बहने से रोकने के लिए किया गया था, लेकिन कई गुना ज्यादा खून बह चुका है'

मोहन भागवत ने कहा कि, बंटवारे का दर्द तभी कम होगा जब भारत और पाकिस्तान का विभाजन निरस्त होगा

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भारत-पाकिस्तान बंटवारे पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि, अब खंडित भारत को अखंडित बनाना होगा। यह हमारा राष्ट्रीय एवं धार्मिक कर्तव्य है। हम इस कर्तव्य पथ पर चलेंगे तो विजय हमारी होगी। ये बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) के सर संघचालक मोहन भागवत ने कहीं।

वह सेक्टर-12 स्थित भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे थे। विद्यालय में आयोजित लोकार्पण समारोह में उन्होंने लेखक कृष्णानंद सागर द्वारा लिखित एवं जागृति प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'विभाजनकालीन भारत के साक्षी' का विमोचन किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि देश का विभाजन न मिटने वाली वेदना है। यह तभी मिटेगी, जब विभाजन निरस्त होगा। भारत एक जमीन का टुकड़ा नहीं हमारी मातृभूमि है। संपूर्ण दुनिया को कुछ देने लायक हम तब होंगे जब विभाजन हटेगा।

यह राजनीति नहीं हमारे अस्तित्व का विषय है। इससे किसी को सुख नहीं मिला। भारत की प्रवृत्ति विशिष्टता को अपनाने की है। अलगाव की प्रवृत्ति वाले तत्वों के कारण देश का विभाजन हुआ। हम विभाजन के दर्दनाक इतिहास का दोहराव नहीं होने देंगे।

आर.एस.एस. प्रमुख ने कहा कि कैसे देश टूटा, उस इतिहास को पढ़कर आगे बढ़ना होगा। विभाजन के बाद भी दंगे होते हैं। दूसरों के लिए भी वही आवश्यक मानना जो खुद को सही लगे, यह गलत मानसिकता है। अपने प्रभुत्व का सपना देखना गलत है। राजा सबका होता है। सबकी उन्नति उसका धर्म है।

हिंदू समाज को संगठित होने की जरूरत है। हमारी संस्कृति विविधता में एकता की है, इसलिए हिंदू यह नहीं कह सकता कि मुसलमान नहीं रहेंगे। अनुशासन का पालन सबको करना होगा। अशफाक उल्ला खान जैसे क्रांतिकारी जन्नत की जगह भारत में दोबारा जन्म की चाह रखते थे। अत्याचार को रोकने के लिए बल के साथ सत्य आवश्यक है।

लेखक कृष्णानंद सागर ने कहा कि उनकी पुस्तक विभाजन के दौर में हुए षड्यंत्रों पर आधारित है। उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश शंभू नाथ श्रीवास्तव ने कहा कि इतिहास को बदलकर प्रस्तुत किया गया है। विभाजन के दौर में भारी नरसंहार हुआ। इसके लिए पाकिस्तान पर मुकदमा होना चाहिए।

संधू के खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की थी। इसके अलावा तीनों अफसरों के खिलाफ भी कोई शिकायत नहीं है और ना ही उनका नाम एफआईआर में है। आवेदन में कहा गया कि ऐसे मामलों में अनावश्यक तौर पर अभियोजन का सामना करने से राज्य के अफसरों का मनोबल गिरेगा, जो जनहित में नहीं होगा। इसलिए इनके खिलाफ लंबित केस वापस लेने की अनुमति दी जाए। परिवादी रामशरण सिंह की ओर से इसका विरोध करते हुए कहा गया कि "यह भ्रष्टाचार का गंभीर मामला है। एसीबी ने अनुसंधान कर तीनों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था, लेकिन अब एसीबी सरकार के इशारे पर केस वापस लेना चाहती है।" हाईकोर्ट भी संधू के मामले में दर्ज एफआईआर को रद्द करने के लिए पेश याचिका को खारिज कर चुका है। संधू के अमेरिका जाने संबंधी प्रार्थना पत्र भी शुक्रवार को फैसला करेगी।

'क्या हर दिल्ली...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाने के कारण कहीं अन्यत्र जगह ढूंढ रहे हैं।

अपने वर्तमान दुर्भाग्य के बावजूद कांग्रेस के प्रति अब भी देशभर में गहरी सहानुभूति है और एक राष्ट्रीय विपक्ष के रुप में वह हमेशा स्वीकार्य है।

यह बात धीरे-धीरे प्रकट हो रही है कि टी.एम.सी. एक ऐसी चुनावी अपील पर काम कर रही है जिससे भाजपा की संभावनाओं को सर्वाधिक बल मिलता है। कांग्रेस के कमजोर पड़ने से एक संयुक्त एक विपक्ष की संभावनाएं कमजोर पड़ती हैं। खंडित विपक्ष भाजपा को देश की एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी बना देगा। कोई आश्चर्य नहीं कि ममता बनर्जी और उनके भतीजे के खिलाफ भ्रष्टाचार और मनी मेकिंग के सभी केस संभवत: गुम से लग रहे हैं। यह भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच जीओ और जीने दो की एक दुनिया है। राजनीति में भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म कर देने के भाजपा की निर्भीक प्रतिबद्धता के भी यह विपरीत है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: घूघरा घाटी, जयपुर रोड, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908